



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञापित PRESS RELEASE

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने सम्बन्धी दक्षिण एशियाई देशों की संसदों के अध्यक्षों के चौथे शिखर सम्मेलन की समाप्ति

कैंप ऑफिस माले (मालदीव), 02 सितम्बर 2019 : माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने सम्मेलन के सत्रों में दूसरे दिन भी भाग लिया। राज्य सभा के माननीय उप-सभापति श्री हरिवंश ने सम्मेलन के तीसरे सत्र, यथा "जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी वैश्विक एजेंडे को बढ़ावा देना - पेरिस समझौते को लागू करने संबंधी चुनौतियों से निपटना तथा इसके क्षेत्रीय एजेंडे को मजबूती प्रदान करने के लिए अवसरों का उपयोग करना" में भाग लिया। सम्मेलन के तीसरे सत्र की समाप्ति के बाद प्रारूप माले घोषणा संसद के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारियों के विचार हेतु उपलब्ध कराई गई। तत्पश्चात, सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा के आधार पर प्रारूप घोषणा को अंतिम रूप देने के लिए बंद कमरे में गोलमेज़ बैठक की गई। भारतीय शिष्टमंडल ने प्रारूप में अनेक परिवर्धनों और संशोधनों का प्रस्ताव रखा जिन्हें एकमत से स्वीकार कर लिया गया।

तत्पश्चात, लोक सभा के माननीय अध्यक्ष द्वारा सभी सहभागी संसदों की ओर से पीपल्स मजलिस ऑफ़ मालदीव के अध्यक्ष, मालदीव सरकार, अंतर संसदीय संघ और सम्मेलन के आयोजन से जुड़ी सभी एजेंसियों को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ यह सम्मेलन समाप्त हुआ।

आज भारतीय शिष्टमंडल ने भूटान के शिष्टमंडल के साथ भी बैठक की। बैठक के प्रारम्भ में, भूटान के अध्यक्ष ने बहुत ही भावनात्मक रूप से श्रीमती सुषमा स्वराज और श्री अरुण जेटली की स्मृति में एक मिनट का मौन रखने का अनुरोध किया।

तत्पश्चात, बैठक के दौरान व्यापक मुद्दों पर चर्चा हुई। भूटान के अध्यक्ष ने श्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा और विद्यार्थियों और बच्चों के साथ उनके मधुर संवाद का सस्नेह उल्लेख किया।

भारत ने भूटान को उनके सांसदों और संसदीय कर्मचारियों दोनों के लिए क्षमता निर्माण संबंधी सहायता देने की पेशकश की। भूटान के अध्यक्ष ने हाल ही में भूटान के सांसदों को प्रशिक्षण देने के लिए लोक सभा सचिवालय के दो वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने के लिए माननीय लोक सभा अध्यक्ष के प्रति हार्दिक आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण बहुत ही प्रभावी रहा और सदस्य अब अपनी सम्बंधित संसदीय समितियों में कहीं अधिक अर्थपूर्ण और पेशेवर रूप से योगदान देने लगे हैं।

THE FOURTH SOUTH ASIAN SPEAKERS' SUMMIT ON ACHIEVING SDGs CONCLUDES

Camp Office Male (Maldives), 02 September 2019: The Indian Parliamentary Delegation led by Hon'ble Speaker, Lok Sabha, Shri Om Birla today resumed their participation in the Sessions of the Summit for the second day. Shri Harivansh, Hon'ble Deputy Chairman, Rajya Sabha attended the third session of the Summit, namely, on 'Catalyzing the global agenda on climate change – overcoming challenges and utilizing opportunities to strengthen the regional agenda for delivering on the Paris Agreement'. After the conclusion of the third session of the Summit, the draft Male declaration was made available for the consideration of the Speakers and Presiding officers of Parliament. Subsequently, a closed door Roundtable Meeting was held to finalise the Draft Declaration based on the confabulations held during the Summit. The Indian Delegation proposed several additions and amendments to the draft which were accepted unanimously.

The Summit, thereafter, concluded with a Vote of Thanks by the Hon'ble Speaker, Lok Sabha on behalf of all participating Parliaments to the Speaker of Peoples' Majlis of Maldives, Government of Maldives, IPU and all agencies involved in organising the Summit.

The Indian Delegation also had a meeting with the Bhutanese Delegation today. At the outset, the Bhutanese Speaker in a very emotive gesture requested for observing a minute's silence in the memory of Smt. Sushma Swaraj, and Shri Arun Jaitley.

Wide ranging talks were thereafter held during the meeting. The Bhutanese Speaker recalled with fondness the visit of Prime Minister Shri Narendra Modi, to Bhutan and his affectionate interaction with the students and children.

India offered capacity building assistance to the Bhutanese side both for their Parliamentarians and Parliamentary Staff. He also expressed his sincere gratitude to Hon'ble Speaker for sending two senior officers of Lok Sabha Secretariat for training the MPs of Parliament of Bhutan recently. He effusively admitted that the said training did wonders and the members were now contributing more fruitfully and professionally in their respective parliamentary committees.